प्रशिक्षण शिष्यों को प्रशिक्षित करने के लिए
सत्र 15: प्रार्थना (7)

रॉन लाइवली, एम.डिवी., एमए द्वारा ऑफ़र किया गया - BiblicalMentoring.org (अध्ययन)

चरण 1: प्रारंभिक प्रार्थना

चरण 2: प्रत्येक व्यक्ति स्मृति कविता को उद्धृत करता है: छंद चरण: **इफिसियों 3:11-12**
11 "यह उस शाश्वत उद्देश्य के अनुसार था जिसे उसने हमारे प्रभु मसीह यीशु में पूरा किया है, 12 जिस पर विश्वास करने के कारण हम निर्भीक और विश्वास के साथ पहुँच पाते हैं।

चरण 3: *बाइबल अध्याय के सभी या कुछ हिस्सों को पढ़ें और चर्चा करें* ***- इफिसियों 3***

चरण 4*:* व्यक्तिगत अनुप्रयोगों और/या समूह चर्चा के लिए प्रश्न:

*एक.*प्रार्थना, एक शिष्य की 4 वीं विशिष्टता, ईश्वर के साथ उसका संचार है और यह है कि हम चरित्र कैसे विकसित करते हैं।

दो. हम परमेश्वर से अपनी प्रार्थनाओं को बेहतर बनाने के लिए चार दिशानिर्देशों को सीखेंगे।

तीन.सभी रिश्तों के लिए हमें एक सक्रिय श्रोता होने की आवश्यकता क्यों होती है?

चार.क्या आपको एहसास है कि हम जो कुछ भी अच्छा करने की इच्छा रखते हैं, उसमें निरंतरता आवश्यक है? फिलिप्स का कहना है कि "लगातार संचार हमें एक जैसा सोचने, एक जैसा कार्य करने और एक-दूसरे पर विश्वास रखने में सक्षम बनाता है"।

पाँच. विवाह और ईश्वर के साथ सहित सभी संबंधों के लिए पूर्ण ईमानदारी क्यों महत्वपूर्ण है? लेखक लिखते हैं कि "प्रार्थना ईश्वर का अनुसरण करने वाले का प्रमाण और निर्विवाद प्राथमिकता दोनों है"।

चरण 5*: पुस्तक की सामग्री पढ़ें और चर्चा करें:*

अध्याय 7 लेखक के अनुसार - कीथ फिलिप्स:

प्रार्थना

प्रार्थना एक शिष्य की चौथी विशिष्टता है। प्रार्थना के माध्यम से एक ईसाई जीवित ईश्वर का सामना करता है। ... हमारे प्रभु मसीह यीशु में ... हमारे पास साहस और आत्मविश्वास से भरी पहुंच है ..." पिता के लिए (इफिसियों 3:11,12)। एक विश्वासी का चरित्र परमेश्वर के साथ उसके संचार से बनता है। संचार हर स्वस्थ रिश्ते का रहस्य है। मेरी पत्नी, केटी और मुझे यह महसूस करने में देर नहीं लगी कि हमारा मिलन हमारे संचार की गुणवत्ता के अनुसार बढ़ेगा या गिरेगा; जितनी गहराई से हम एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे, उतनी ही तेजी से हम एक हो जाएंगे। यह आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि केटी के साथ मेरा रिश्ता मेरे साथ मसीह के रिश्ते के आधार पर बनाया गया है (इफिसियों 5:23-25)। अच्छा संचार परिचितों को दोस्तों में और सतहीपन को अंतरंगता में बदल देता है। केटी के साथ मेरे संचार की गुणवत्ता बढ़ जाती है यदि मैं चार दिशानिर्देशों का पालन करता हूं। यही सिद्धांत एक विश्वासी के प्रार्थना जीवन पर लागू होते हैं।

पहले तारीफ करें

एक ईमानदार तारीफ से ज्यादा कुछ भी स्वस्थ रिश्ते की सुविधा नहीं देता है। एक सकारात्मक, निर्माण टिप्पणी सम्मान और प्रशंसा का एक संकेत है।

जब मैं घर आता हूं तो मेरे पहले शब्दों ने पूरी शाम के लिए गति निर्धारित की। और एक बार दिशा स्थापित हो जाने के बाद, इसे उलटना मुश्किल होता है। अगर मैं अपनी पत्नी का अभिवादन करता हूं, "क्या आप कभी गेट बंद नहीं कर सकते? क्या आपको एहसास नहीं है कि बाहर हमारे लड़कों के साथ यह कितना खतरनाक है?" आप परिणामों की भविष्यवाणी कर सकते हैं। इससे क्या फर्क पड़ता है जब मैं कहता हूं, "बेबी, तुम एक लाख रुपये की तरह दिखती हो। " केटी जानती है कि मेरे शब्द मेरे दिल का विस्तार हैं। विवाह में प्रेमालाप के उत्साह को प्रशंसा से अधिक कोई अमृत नहीं है। जब मैं पहले तारीफ करने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान हूं, तो हमारा संचार स्वस्थ और निर्माण करता है। दाऊद को इसका एहसास तब हुआ जब उसने हमें सलाह दी कि परमेश्वर के पास कैसे जाना है: "धन्यवाद के साथ उसके फाटकों में प्रवेश करो, और स्तुति के साथ उसके आंगन में प्रवेश करो: उसका धन्यवाद करो, और उसके नाम को धन्य करो" (भजन संहिता 100:4 केजेवी)। प्रार्थना मुख्य रूप से शिष्य के लिए अपने परमेश्वर की आराधना और सम्मान करने का एक अवसर है। उत्साह के साथ राजाओं के राजा की उपस्थिति में रहने के अवसर की आशा करें। कृतज्ञता को अपने होठों से बहने दें और अपने अस्तित्व को सर्वशक्तिमान के प्रति अपना विस्मय व्यक्त करने दें। आपके पास परमेश्वर के प्रति अपने प्रेम की घोषणा करने का अच्छा कारण है: "क्योंकि यहोवा भला है; उसकी करूणा अनन्त है; और उसका सत्य पीढ़ियों तक बना रहता है" (भजन संहिता 100:5 केजेवी)।

एक सक्रिय श्रोता बनें

जब हमने पहली बार शादी की, तो केटी मुझे वाशिंगटन में एक खतरनाक खबर के बारे में बता रही थी। उसके विवरण के आधे रास्ते में मैंने उसके लिए कहानी को बाधित किया और समाप्त कर दिया। केटी को इससे ज्यादा कुछ भी निराश नहीं हुआ। हालाँकि उसने कभी सीधे तौर पर यह नहीं कहा, मुझे जल्दी से एहसास हुआ कि या तो वह आदत या उसके पति को जाना था। भगवान ने मुझे एक मूल्यवान सबक सिखाने के लिए मेरी धैर्यवान पत्नी का इस्तेमाल किया: संचार बात करने से कहीं अधिक है। यह सक्रिय रूप से सुनना है, किसी का अविभाजित ध्यान देना है। सुनने में विफलता एक अपमान है। जब केटी मुझे अपने दोस्तों के साथ बातचीत के बारे में बताती है, जहां वह रही है और जो उसने सीखा है, तो मैं उससे इतना प्यार करता हूं कि वह जो कहती है उस पर ध्यान केंद्रित करके उसके जीवन में शामिल हो जाए। मैं कम महसूस करूंगा अगर जब मैं अपना दिल भगवान को देता, तो कोई प्रतिक्रिया नहीं होती। लेकिन प्रभु जवाब देने का वादा करता है (भजन संहिता 91:15)। परमेश्वर अपने बच्चों के साथ पूर्ण संचार चाहता है। वह अपने वचन के माध्यम से मुझसे बात करता है, पवित्रशास्त्र को मेरी स्मृति में लाता है, और मेरे मन को अपनी सुंदरता, प्रोत्साहन और इच्छा से भर देता है। मुझे केवल उसकी सलाह पर ध्यान देने की आवश्यकता है: "प्रयास करना बंद करो और जान लो कि मैं परमेश्वर हूँ..." (भजन संहिता 46:10)। मैंने पाया है कि परमेश्वर के साथ, केटी के साथ, हमारा सबसे सार्थक संचार तब होता है जब हम अकेले होते हैं। मैं सबसे अच्छा सुनता हूं जब कोई विकर्षण नहीं होता है - कोई रेडियो नहीं, कोई फोन नहीं, कोई अन्य लोग नहीं। मुझे यकीन है कि यीशु के मन में यही था जब उसने अपने शिष्यों से कहा, "... अकेले एक सुनसान जगह पर आओ और थोड़ी देर आराम करो" (मरकुस 6:31)।

सुसंगत रहें

मेरे लिए एक लंबे दिन के बाद घर आना, कुछ बार-बार दोहराई जाने वाली बारीकियों का उच्चारण करना, एक कुर्सी पर फ्लॉप होना और मेल पढ़ना - व्यावहारिक रूप से मेरी प्यारी पत्नी को अनदेखा करना बहुत आसान है। तुच्छताओं को पार करने और खुले तौर पर नए विचारों, रोमांचक योजनाओं या असामान्य घटनाओं को साझा करने के लिए वास्तविक अनुशासन की आवश्यकता होती है। उन चोटों, चिंताओं और परीक्षणों के बारे में ईमानदार होना और भी कठिन है जिनके साथ मैं संघर्ष कर रहा हूं। कभी-कभी मुझे लगता है कि पूरे दिन लोगों, समस्याओं और जरूरतों के साथ बमबारी करने के बाद, इन घटनाओं को एक बार और पूर्वाभ्यास करना शुद्ध पीड़ा है। कितना मूर्खतापूर्ण! केटी मेरी सबसे बड़ी समर्थक है। वह मेरे बोझ को उठाने और मेरी खुशियों को साझा करने में मदद करना चाहती है। लगातार संचार हमें एक जैसा सोचने, एक जैसा कार्य करने और एक-दूसरे पर भरोसा करने में सक्षम बनाता है। केटी के साथ साझा करना और उसकी सलाह लेना इस बात की पुष्टि करता है कि मैं उसे महत्व देता हूं कि वह कौन है। अगर मैं संवाद करने में विफल रहता हूं, तो मैं उसे बाहर कर देता हूं कि मैं कौन हूं, और हमारी शादी की वाचा कागज के एक टुकड़े में सिमट जाती है। अक्सर आलस्य का एक ही प्रलोभन मेरे प्रार्थना जीवन में आता है। मैं तर्क दे सकता हूं, "भगवान वैसे भी जानता है। मैं बहुत थक गया हूं। मेरे पास समय नहीं है। मैं उसे कल बताऊंगा। केटी की तरह, इसे टालना आसान है। कोई नहीं जानता। कोई मुझे जवाबदेह नहीं ठहराता। लेकिन यह सोचना एक भ्रम है कि भगवान के साथ लगातार संचार वैकल्पिक है। यदि मेरा संचार छिटपुट है, तो हमारा रिश्ता बिगड़ता है। सबसे पहले, मैं और मेरा साथी जानते हैं। फिर दूसरे। फिर हर कोई। एक शिष्य के प्रार्थना जीवन में निरंतरता एक लंबी दूरी के धावक में धीरज की तरह है। इसके विकास के लिए कोई

शॉर्टकट नहीं हैं। यह दैनिक अभ्यास की एक विस्तारित अवधि में बनाया गया है। लेकिन जब तक आप इसका उपयोग नहीं करते, आप इसे खो देते हैं। जब आप थोड़ी देर के लिए रुकते हैं तो आप फिर से वहीं से शुरू नहीं कर सकते जहां आपने छोड़ा था।

परमेश्वर के साथ अंतरंगता नियमित संचार की मांग करती है। यदि आपने लंबे समय तक उसके साथ बात नहीं की है और कोई संकट आता है, तो आप उसकी उपस्थिति में अजीब और असुरक्षित महसूस करते हैं। लगातार संचार के बिना, विश्वासी जीवन का सामना बहुत अस्थिर स्तर पर करता है। परमेश्वर के साथ नियमित संचार आपके हृदय, आपके उद्देश्यों, आपके विचारों और यहाँ तक कि आपकी प्रवृत्ति को भी उसके साथ मेल खाता है। इसलिए 1 थिस्सलुनीकियों 5:17 हमें निर्देश देता है कि "बिना रुके प्रार्थना करो। आपकी वफादारी आपको परमेश्वर की उपस्थिति में स्वागत करती है: "आओ, हम विश्वास के साथ अनुग्रह के सिंहासन के पास जाएँ, कि हम दया प्राप्त करें और आवश्यकता के समय में हमारी सहायता करने के लिए अनुग्रह पाएं" (इब्रानियों 4:16)।

पूरी तरह से ईमानदार रहें

हमारे रिश्ते की शुरुआत में, केटी और मैंने एक-दूसरे के साथ बिल्कुल ईमानदार होने की प्रतिबद्धता जताई। हम जानते थे कि हमारी शादी मजबूत होगी अगर इसमें एकमात्र आश्चर्य सुखद होगा। अर्ध-सत्य या भ्रामक विकृतियों पर बना एक रिश्ता ताश के पत्तों के घर की तरह है: यह थोड़े से दबाव के साथ टूट जाता है। हम अपने वित्त पर एक साथ चर्चा करते हैं, हम जो खर्च कर सकते हैं उसका बजट बनाते हैं, जो हम बर्दाश्त नहीं कर सकते उस पर सहमत होते हैं। हम प्रतिबद्धताएं बनाने से पहले अपनी सामाजिक व्यस्तताओं और मंत्रालय की गतिविधियों पर सहमत होते हैं। ऐसा कोई समय नहीं होता जब केटी को पता नहीं होता कि मैं कहां हूं। जब मैं यात्रा करता हूं तो मैं एक विस्तृत यात्रा कार्यक्रम छोड़ता हूं: उड़ान संख्या, आगमन का समय, होटल, संपर्क लोग, बोलने की व्यस्तता और नियुक्तियां। वह हमेशा मुझ तक पहुंच सकती है। जब मैं चला जाता हूं तो मैं हर दिन फोन करता हूं। सक्रिय खुलेपन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमें अपनी जरूरतों, चोटों और सवालों को निराश होने से पहले साझा करने में सक्षम बनाती है, बल्कि संदेह या अविश्वास को भी रोकती है। कई ईसाइयों में अपने सर्वज्ञ परमेश्वर को धोखा देने की कोशिश करने का दुस्साहस है। वे अपने इरादों को तर्कसंगत बनाते हैं, अपने कुछ पापों को स्वीकार करने से कतराते हैं या अपने जीवन के कुछ क्षेत्रों को देने से इनकार करते हैं। डेविड इस तरह था। उसने हत्या और व्यभिचार के अपने पापों को छिपाने की कोशिश की जब तक कि परमेश्वर ने अंत में नातान के माध्यम से उसका सामना नहीं किया (2 शमूएल 12)। लेकिन दाऊद ने अपना सबक सीखा। वह परमेश्वर के साथ पूरी तरह से "सामने" बन गया: "क्योंकि मैं अपने अपराधों को स्वीकार करता हूं: और मेरा पाप सदा मेरे सामने रहता है" (भजन संहिता 51:3 केजेवी)। यदि आप अपने पापों को छिपाने की कोशिश करते हैं तो परमेश्वर आपकी प्रार्थनाओं को नहीं सुनेगा (भजन संहिता 66:18)। यशायाह 59:2 कहता है, "... तुम्हारे अधर्म ने तुम्हारे और तुम्हारे परमेश्वर के बीच एक अलग कर दिया है, और तुम्हारे पापों ने उसका चेहरा तुमसे छिपा लिया है, ताकि वह न सुने। सुनने के बिना कोई संचार नहीं है; संचार के बिना, कोई रिश्ता नहीं; रिश्ते के बिना, कोई शिष्यत्व नहीं। शिष्य के लिए परमेश्वर के साथ पूर्ण ईमानदारी आवश्यक है। प्रार्थना शिष्य के अपने परमेश्वर के साथ संचार का सबसे घनिष्ठ माध्यम है। उसके संचार की गुणवत्ता उसके रिश्ते की ताकत को निर्धारित करती है। प्रार्थना परमेश्वर का अनुसरण करने वाले के लिए प्रमाण और निर्विवाद प्राथमिकता दोनों है (लूका 18:1)।

पेज 73-78

शिष्य की चेकलिस्ट - प्रार्थना
मेरे प्रार्थना जीवन की विशेषता है:
पहले भगवान___Complimenting।
___Actively सुन रहे हैं।
___Consistency।
___Complete ईमानदारी।

चरण 6: *व्यक्तिगत प्रार्थना अनुरोधों को साझा करें फिर प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के अनुरोधों के लिए प्रार्थना करता है।*

स्रोत: द मेकिंग ऑफ ए डिसाइपल डॉ . कीथ फिलिप्स द्वारा। फ्लेमिंग एच. रेवेल कंपनी द्वारा, 1981। आई°ऍस°बी°ऍन° 0-8007-1181-5. रॉबर्ट ई. कोलमैन द्वारा परिचय। सामग्री (अध्ययन प्रश्नों को छोड़कर) बिना किसी संशोधन के पुस्तक से ली गई है।

संशोधित 20261011